

24.08.2023

SPIC MACAY event organized by Directorate of Students Welfare ;-
“भरतनाट्यम की बारीकियों से रूबरू हुए स्टूडेंट्स: नृत्यांगना 'रागिनी चंद्रशेखर
ने दी प्रस्तुति”



भरतनाट्यम की बारीकियों से रूबरू हुए स्टूडेंट्स, नृत्यांगना 'रागिनी चंद्रशेखर ने दी प्रस्तुति

हिसार टुडे | हिसार

लाला लाजपत राय पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान विश्वविद्यालय हिसार में छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा आयोजित एक दिवसीय भरतनाट्यम नृत्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भरतनाट्यम की सुप्रसिद्ध नृत्यांगना 'रागिनी चंद्रशेखर' ने विद्यार्थियों को भरतनाट्यम की बारीकियों से रूबरू करवाया। सर्वप्रथम कुलपति लुवास प्रो. डॉ. विनोद कुमार वर्मा ने द्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की तथा बताया कि स्पर्क मैके युवाओं के बीच भारतीय शास्त्रीय संगीत और संस्कृति को बढ़ावा देने की एक संस्था है जो कि दुनिया भर के 300 से अधिक कस्बों और शहरों में भारतीय शास्त्रीय संगीत, नृत्य और भारतीय संस्कृति के अन्य पहलुओं को बढ़ावा देती है। विद्यार्थियों को भरतनाट्यम की कला के बारे में संपूर्ण जानकारी देने एवं भारतीय शास्त्रीय संगीत और संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य के साथ इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

इस कार्यक्रम में सुप्रख्यात नृत्यांगना श्रीमती रागिनी चंद्रशेखर जी ने भव्य प्रस्तुती दी तथा भरतनाट्यम



की उत्पत्ति व उसके इतिहास की व्याख्या करते हुए पुष्पांजलि, जटीस्वन्धर्म, मीराभजन व सूरसागर पर नृत्य व अभिनय के साथ-साथ शास्त्रीय कला में प्रयुक्त विभिन्न हस्त मुद्राओं के बारे में दिलचस्प तरीके से विस्तार में बताया। प्रस्तुती के अंत में रागिनी जी द्वारा दर्शकों द्वारा किये गए प्रश्नों के उत्तर भी दिए गए और विद्यार्थियों को नृत्य कला समृद्ध संस्कृति व विरासत को अपनाकर जीवन में अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर श्रीमती पूनम वर्मा (डिस्ट्रिक्ट अर्टोनी फतेहाबाद), विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशक डॉ. डी.एस. दलाल, अनुसंधान निदेशक डॉ.

नरेश जिंदल, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं कुलसचिव डॉ. एस.एस. ढाका, पशुचिकित्सा महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ. गुलशन नारंग उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, अध्यापकगण व विद्यार्थियों ने मौजूद रहकर कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम के अंत में छात्र कल्याण निदेशक डॉ. डी.एस. दलाल द्वारा रागिनी चंद्रशेखर व उनके सहायक कलाकारों के लिए धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया गया। साथ ही उन्होंने कार्यक्रम के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्राध्यापकों, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

हिसार जागरण 24.08.2023

भरतनाट्यम की बारीकियों से रूबरू हुए विद्यार्थी

जागरण संवाददाता, हिसार: लाला लाजपत राय पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की ओर से बुधवार को भरतनाट्यम नृत्य कार्यक्रम आयोजित हुई। इस दौरान भरतनाट्यम की सुप्रसिद्ध नृत्यांगना रागिनी चंद्रशेखर ने विद्यार्थियों को भरतनाट्यम की बारीकियों से रूबरू करवाया।

कुलपति लुवास प्रो. डॉ. विनोद कुमार वर्मा ने बताया कि स्पर्क मैके युवाओं के बीच भारतीय शास्त्रीय संगीत और संस्कृति को बढ़ावा देने



लाला लाजपत राय पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान विश्वविद्यालय हिसार में नृत्यांगना रागिनी चंद्रशेखर प्रस्तुती देते हुए। पीआरओ की एक संस्था है जो कि दुनिया भर के 300 से अधिक कस्बों

और शहरों में भारतीय शास्त्रीय संगीत, नृत्य और भारतीय संस्कृति के अन्य पहलुओं को बढ़ावा देती है। विद्यार्थियों को भरतनाट्यम की कला के बारे में संपूर्ण जानकारी देने एवं भारतीय शास्त्रीय संगीत और संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में सुप्रख्यात नृत्यांगना रागिनी चंद्रशेखर ने प्रस्तुति दी।

भरतनाट्यम की उत्पत्ति व उसके इतिहास की व्याख्या करते हुए पुष्पांजलि, जटीस्वन्धर्म, मीराभजन

व सूरसागर पर नृत्य व अभिनय के साथ-साथ शास्त्रीय कला में प्रयुक्त विभिन्न हस्त मुद्राओं के बारे में विस्तार में बताया।

प्रस्तुति के अंत में रागिनी ने दर्शकों के प्रश्नों के उत्तर भी दिए। इस मौके पर पूनम वर्मा (डिस्ट्रिक्ट अर्टोनी फतेहाबाद) विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशक डा. डीएस दलाल, अनुसंधान निदेशक डा. नरेश जिंदल, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं कुलसचिव डा. एसएस ढाका, पशुचिकित्सा महाविद्यालय अधिष्ठाता डा. गुलशन नारंग मौजूद रहे।

भरतनाट्यम की बारीकियों से रूबरू हुए स्टूडेंट्स, 'रागिनी चंद्रशेखर ने दी प्रस्तुति

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। लाला लाजपत राय पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान विश्वविद्यालय हिसार में छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा आयोजित एक दिवसीय भरतनाट्यम नृत्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भरतनाट्यम की सुप्रसिद्ध नृत्यांगना रागिनी चंद्रशेखर ने विद्यार्थियों को भरतनाट्यम की बारीकियों से रूबरू करवाया।

कुलपति लुवास प्रो. डॉ. विनोद कुमार वर्मा ने द्वीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की तथा बताया कि स्पिक मैके युवाओं के बीच भारतीय शास्त्रीय संगीत और संस्कृति को बढ़ावा देने की एक संस्था है जो कि दुनिया भर के 300 से अधिक कस्बों और शहरों में भारतीय शास्त्रीय संगीत, नृत्य और भारतीय संस्कृति के अन्य पहलुओं को बढ़ावा देती है। विद्यार्थियों को भरतनाट्यम की कला के बारे में संपूर्ण जानकारी देने एवं भारतीय शास्त्रीय संगीत और संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य के साथ इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

इस कार्यक्रम में सुप्रख्यात नृत्यांगना रागिनी चंद्रशेखर ने प्रस्तुती दी तथा भरतनाट्यम की उत्पत्ति व



उसके इतिहास की व्याख्या करते हुए पुष्पांजलि, जटीस्वन्धम, मीराभजन व सूरसागर पर नृत्य व अभिनय के साथ-साथ शास्त्रीय कला में प्रयुक्त विभिन्न हस्त मुद्राओं के बारे में दिलचस्प तरीके से बताया। प्रस्तुति के अंत में रागिनी द्वारा दर्शकों द्वारा किये गए प्रश्नों के उत्तर भी दिए गए और विद्यार्थियों को नृत्य कला समृद्ध संस्कृति व विरासत को अपनाकर जीवन में अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर पूनम वर्मा (डिस्ट्रिक्ट अर्टोनी फतेहाबाद), छात्र कल्याण निदेशक डॉ. डी.एस.

दलाल, अनुसंधान निदेशक डॉ. नरेश जिंदल, कुलसचिव डॉ. एस.एस. डाका, पशुचिकित्सा महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ. गुलशन नारंग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में छात्र कल्याण निदेशक डॉ. डी.एस. दलाल द्वारा रागिनी

चंद्रशेखर व उनके सहायक कलाकारों के लिए धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया गया। साथ ही उन्होंने कार्यक्रम के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्राध्यापकों, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

हरिभूमि

रोहतक - हिसार

Date 24 Aug 2023

एक दिवसीय भरतनाट्यम नृत्य कार्यक्रम का आयोजन

भरतनाट्यम की बारीकियों से रूबरू हुए लुवास के स्टूडेंट्स

हरिभूमि न्यूज Hिसार

लाला लाजपत राय पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा एक दिवसीय भरतनाट्यम नृत्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भरतनाट्यम की सुप्रसिद्ध नृत्यांगना रागिनी चंद्रशेखर ने विद्यार्थियों को भरतनाट्यम की बारीकियों से रूबरू करवाया। सर्वप्रथम कुलपति लुवास प्रो. डॉ. विनोद कुमार वर्मा ने द्वीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की तथा बताया कि स्पिक मैके युवाओं के बीच भारतीय शास्त्रीय संगीत और



संस्कृति को बढ़ावा देने की एक संस्था है जो कि दुनिया भर के 300 से अधिक कस्बों और शहरों में भारतीय शास्त्रीय संगीत, नृत्य और

भारतीय संस्कृति के अन्य पहलुओं को बढ़ावा देती है।

इस कार्यक्रम में नृत्यांगना रागिनी चंद्रशेखर ने भव्य प्रस्तुति दी तथा भरतनाट्यम की उत्पत्ति व उसके इतिहास की व्याख्या करते हुए पुष्पांजलि, जटीस्वन्धम, मीराभजन व सूरसागर पर नृत्य व अभिनय के साथ-साथ शास्त्रीय कला में प्रयुक्त विभिन्न हस्त मुद्राओं के बारे में दिलचस्प तरीके से विस्तार में बताया। इस मौके पर डिस्ट्रिक्ट अर्टोनी फतेहाबाद पूनम वर्मा, विधि के छात्र कल्याण निदेशक डॉ. डी.एस. दलाल, अनुसंधान निदेशक डॉ. नरेश जिंदल, कुलसचिव डॉ. एसएस डाका, पशुचिकित्सा महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ. गुलशन नारंग उपस्थित रहे।

रागिनी चंद्रशेखर का भरतनाट्यम देख अभिमान हुए विद्यार्थी

दरभंग महविद्यालय के हस्तकला हॉल में शास्त्रीय संगीत व कला के माध्यम से भारतीय विरासत के प्रचार-प्रसार के लिए स्वीक मैके द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अध्येक्षक रागिनी चंद्रशेखर द्वारा विद्यार्थियों के लिए भरतनाट्यम नृत्य कला की सुंदर प्रस्तुति दी गई तथा नृत्य के बारे में संपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। संगीत प्रस्तुति में इलाका साथ वोकल में श्रीराम, मुंडंग पर धरवी चंद्रशेखर और वायलिन पर सी एसके अक्काबुदुई ने दिया। कार्यक्रम में कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा, डिस्ट्रिक्ट अर्टोनी फतेहाबाद पूनम वर्मा, विधि के छात्र कल्याण निदेशक डॉ. डी.एस. दलाल, अनुसंधान निदेशक डॉ. नरेश जिंदल, कुलसचिव डॉ. एसएस डाका, पशुचिकित्सा महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ. गुलशन नारंग उपस्थित रहे।